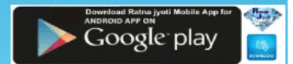




Ratna Jyoti

An ISO Certified Company
GSTIN:-19ADBPN6598G1Z1

OUR
EXPERIENCE
YOU CAN TRUST



Sample



Demo

Model: Web-M3

SrNo: 101-111-105-1030 / 312

Phone: +91-341-2668022
Mobile : +91 -9732150484
Whatsapp : +91 -9732150484



RATNA JYOTI®

Website: <https://www.ratnajyoti.com/>
E-Mail: astrology@ratnajyoti.com

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan ,W.B , India ,Zip-713322

कुंडली मिलान का महत्व

वैवाहिक जीवन में अनुकूलता हेतु जन्मकुण्डली मिलान किया जाता है।

इसमें सर्वप्रथम अष्टकूट मिलान किया जाता है। जातक की राशि व नक्षत्र के अनुसार उसका वर्ण, वश्य, तारा, योनि, राशेश, गण, भकूट एवं नाडी का ज्ञान करके वर-वधू के जीवन की अनुकूलता अथवा प्रतिकूलता का निर्णय किया जाता है। वर्ण विचार से कर्म, वश्य विचार से स्वभाव, तारा विचार से भाग्य, योनि विचार व ग्रह मैत्री विचार से पारस्परिक संबंध, गण से सामाजिकता, भकूट से जीवन में तालमेल एवं नाडी विचार से स्वास्थ्य व सतांन संबंधी फल का विचार किया जाता है। इन सभी गुणों को क्रमशः 1 से 8 तक अंक दिये जाते हैं। इस प्रकार अष्टकूट विचार में कुल 36 गुणों का विचार किया जाता है। जिसमें कम से कम 18 गुणों का होना आवश्यक है। इससे कम गुण वाले विवाह ज्योतिषीय विधान के अनुसार अव्यवहारिक रहते हैं।

अष्टकूट मिलान के साथ मांगलिक दोष का विचार भी अति महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि मंगल लग्न कुंडली में 1,4,7,8 एवं 12 वें भाव में स्थित हो तो मंगली दोष होता है। मंगली दोष निवारण के लिए आवश्यक है कि वर-वधू दोनों मंगली न हों या दोनों मंगली हों। शास्त्रों में इनके अलावा भी दोष निवारण के सूत्र दिए गए हैं। इस दोष के निवारण से किसी प्रकार के अमंगल की संभावनाएं कम हो जाती है और वैवाहिक जीवन सुख व शांतिपूर्ण गुजरता है।



पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 30/08/1988 : _____ जन्म तिथि _____ : 20/05/1990
 मंगलवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 10:00:00 : _____ जन्म समय _____ : 08:00:00 घंटे
 घटी 10:04:32 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 06:19:42 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:58:11 : _____ सूर्योदय _____ : 05:28:07
 18:44:43 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:07:31
 23:42:00 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:43:33

तुला : _____ लग्न _____ : मिथुन
 शुक्र : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : बुध
 मीन : _____ राशि _____ : मीन
 गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : गुरु
 रेवती : _____ नक्षत्र _____ : उ०भाद्रपद
 बुध : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : शनि
 2 : _____ चरण _____ : 1
 गण्ड : _____ योग _____ : विष्कुम्भ
 बव : _____ करण _____ : विष्टि
 दो-दौलत : _____ जन्म नामाक्षर _____ : दू-दूती
 कन्या : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : वृष
 विप्र : _____ वर्ण _____ : विप्र
 जलचर : _____ वश्य _____ : जलचर
 गज : _____ योनि _____ : गौ
 देव : _____ गण _____ : मनुष्य
 अन्त्य : _____ नाड़ी _____ : मध्य
 सर्प : _____ वर्ग _____ : सर्प



ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 10वर्ष 5मा 1दि	05:27:33	तुला	लग्न	मिथु	11:38:14	शनि 18वर्ष 2मा 8दि
शुक्र	13:19:12	सिंह	सूर्य	वृष	05:06:22	बुध
31/01/2006	21:49:38	मीन	चंद्र	मीन	03:54:06	28/07/2008
31/01/2026	17:40:25	मीन व	मंगल	कुंभ	28:01:22	28/07/2025
शुक्र 01/06/2009	05:20:07	कन्या	बुध	मेष	14:32:20	बुध 24/12/2010
सूर्य 01/06/2010	11:22:54	वृष	गुरु	मिथु	16:41:59	केतु 22/12/2011
चन्द्र 31/01/2012	27:43:05	मिथु	शुक्र	मीन	24:21:38	शुक्र 22/10/2014
मंगल 01/04/2013	02:13:44	धनु व	शनि व	मक	01:25:44	सूर्य 28/08/2015
राहु 01/04/2016	20:23:00	कुंभ	राहु व	मक	16:27:51	चन्द्र 26/01/2017
गुरु 01/12/2018	20:23:00	सिंह	केतु व	कर्क	16:27:51	मंगल 24/01/2018
शनि 31/01/2022	03:21:37	धनु व	हर्ष व	धनु	15:20:16	राहु 12/08/2020
बुध 01/12/2024	13:49:23	धनु व	नेप व	धनु	20:33:16	गुरु 18/11/2022
केतु 31/01/2026	16:31:54	तुला	प्लूटो व	तुला	22:18:53	शनि 28/07/2025

23:42:00 चित्रपक्षीय अयनांश 23:43:33

लग्न-चलित			लग्न-चलित		
गु		मं +चं	सू		+शु चं
+शु		रा	गु ल	बु	+मं
			के		रा श
सू के		श			
	ल				

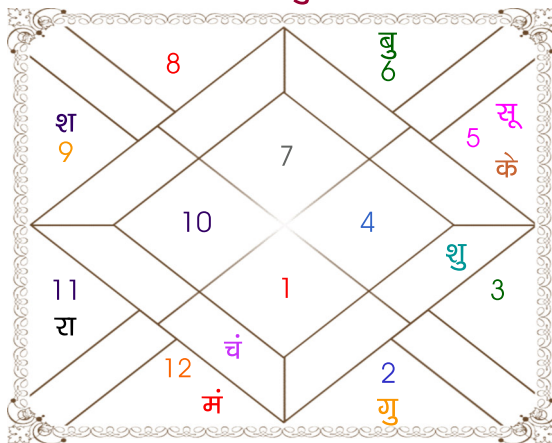
चलित अंश

भाव मध्य	भाव संधि	भाव	भाव संधि	भाव मध्य
तुला 05:27:33	कन्या 20:46:45	1 वृष	24:19:47	मिथु 11:38:14
वृश्चि 06:05:58	तुला 20:46:45	2 मिथु	24:19:47	कर्क 07:01:21
धनु 06:44:23	वृश्चि 21:25:10	3 कर्क	19:42:55	सिंह 02:24:29
मक 07:22:48	धनु 22:03:36	4 सिंह	15:06:02	सिंह 27:47:36
कुंभ 06:44:23	मक 22:03:36	5 कन्या	15:06:02	तुला 02:24:29
मीन 06:05:58	कुंभ 21:25:10	6 तुला	19:42:55	वृश्चि 07:01:21
मेष 05:27:33	मीन 20:46:45	7 वृश्चि	24:19:47	धनु 11:38:14
वृष 06:05:58	मेष 20:46:45	8 धनु	24:19:47	मक 07:01:21
मिथु 06:44:23	वृष 21:25:10	9 मक	19:42:55	कुंभ 02:24:29
कर्क 07:22:48	मिथु 22:03:36	10 कुंभ	15:06:02	कुंभ 27:47:36
सिंह 06:44:23	कर्क 22:03:36	11 मीन	15:06:02	मेष 02:24:29
कन्या 06:05:58	सिंह 21:25:10	12 मेष	19:42:55	वृष 07:01:21

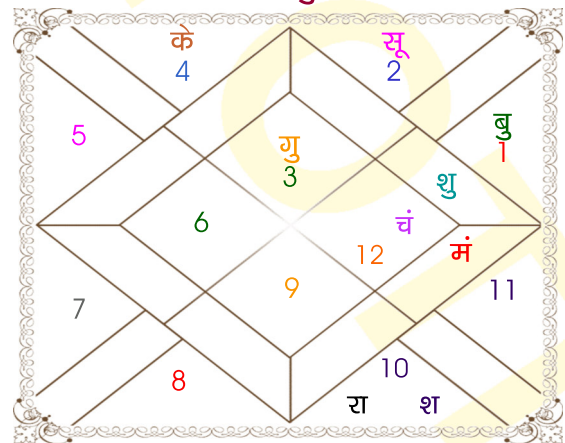
तारा चक्र

ज्येष्ठा	आश्लेषा	रेवती	जन्म	उ०भाद्रपद	पुष्य	अनुराधा
मूल	मघा	अश्विनी	सम्पत	रेवती	आश्लेषा	ज्येष्ठा
पूर्वाषाढा	पू०फाल्गुनी	भरणी	विपत	अश्विनी	मघा	मूल
उत्तराषाढा	उ०फाल्गुनी	कृतिका	क्षेम	भरणी	पू०फाल्गुनी	पूर्वाषाढा
श्रवण	हस्त	रोहिणी	प्रत्यारि	कृतिका	उ०फाल्गुनी	उत्तराषाढा
धनिष्ठा	चित्रा	मृगशिरा	साधक	रोहिणी	हस्त	श्रवण
शतभिषा	स्वाति	आर्द्रा	वध	मृगशिरा	चित्रा	धनिष्ठा
पू०भाद्रपद	विशाखा	पुनर्वसु	मित्र	आर्द्रा	स्वाति	शतभिषा
उ०भाद्रपद	अनुराधा	पुष्य	अतिमित्र	पुनर्वसु	विशाखा	पू०भाद्रपद

चलित कुंडली



चलित कुंडली



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

चन्द्र कुंडली

गु	चं	मं
शु	ल	रा
सू		श
के	बु	

चन्द्र कुंडली

सू	बु	चं	शु
गु		ल	मं
के		रा	श

सूर्य कुंडली

गु	मं	चं
शु	रा	
सू	ल	श
के	बु	

सूर्य कुंडली

सू	बु	शु	चं
गु		ल	मं
के		रा	श

नवमांश कुंडली

शु	रा	गु	श	बु
				चं
सू				मं
	के	ल		

नवमांश कुंडली

रा	गु	शु	सू
मं		श	ल
चं	बु		के



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिए, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

लग्न कुंडली			लग्न कुंडली		
गु	मं चं	रा	सू	बु	शु चं
शु			गु ल		मं
		के			रा श
सू के	ल	श			
बु					

देह विचारः

देह विचारः

होरा कुंडली			होरा कुंडली		
के			श		
बु	गु		सू	चं	
शु	रा		मं	गु	
	ल		का	ल	
सू चं मं श			बु		

सम्पदाविचारः

सम्पदाविचारः



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

	के	शु
मं		
यु बु	ल रा	सू श चं

भातृसौख्यम्

द्रेष्काण कुंडली

रा सू		चं
		श
बु	मं ल गु	शु के

भातृसौख्यम्

चतुर्थाश कुंडली

		शु के
		रा बु
गु रा बु चं मं	ल	श सू

भाग्यविचारः

चतुर्थाश कुंडली

		सू चं
		के श
गु रा बु चं मं	ल	श सू

भाग्यविचारः

सप्तमांश कुंडली

रा	बु	चं
		गु मं
		शु श के ल सू

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

		के शु
		श बु
		ल मं चं गु

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

शु	रा गु श	बु
सू		चं
	के	ल मं

कलत्र सौख्यम

नवमांश कुंडली

रा		गु शु सू
मं		श ल
	चं बु	के

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

बु च	गु मं	शु के
		शु
रा		ल सू श

राज्यविचारः

दशमांश कुंडली

		रा सू
	शु	
ल श	के बु	चं मं गु

राज्यविचारः

द्वादशांश कुंडली

शु	के	
		सू
गु	मं रा	ल श चं बु

पितृसौख्यम

द्वादशांश कुंडली

		चं
	रा सू	के मं श
बु	ल	गु शु

पितृसौख्यम

षोडशवर्ग चक्र

षोडशांश कुंडली

के रा	ल	सू शु बु यु
		श
मं		चं

वाहनसुखविचारः

त्रिंशांश कुंडली

के रा	श	मं ल
		चं
बु यु	शु	सू

अरिष्टज्ञानम्

षष्ट्यंश कुंडली

रा	श	गु मं
बु		शु
ल	सू चं	के

सर्वास्थितिविचारः

षोडशांश कुंडली

ल	श	चं
गु	सू मं	शु रा के बु

वाहनसुखविचारः

त्रिंशांश कुंडली

के रा	श	मं ल
		चं
बु यु	शु	सू

अरिष्टज्ञानम्

षष्ट्यंश कुंडली

ल	श क मं व शु
बु यु	चं मं

सर्वास्थितिविचारः



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

28	27	32
28		27
27		35
30	ल	27
23	29	24

सर्वाष्टकवर्ग

25	25	32	33
ल			26
22			32
32		21	27
27			35

Sample

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	वु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	4	6	2	3	5	2	3	2	2	3	4	3	39
गुरु	6	4	5	5	3	4	5	6	3	4	6	5	56
मंगल	3	3	3	3	3	2	5	2	4	5	2	4	39
सूर्य	2	4	4	3	5	5	3	4	5	6	2	5	48
शुक्र	3	4	5	5	4	3	4	4	2	6	7	5	52
बुध	5	2	6	5	5	4	6	3	5	7	2	4	54
चंद्र	4	5	3	3	5	3	3	3	6	4	4	6	49
बिन्दु	27	28	28	27	30	23	29	24	27	35	27	32	337
रेखा	29	28	28	29	26	33	27	32	29	21	29	24	335

Demo

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	वु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	3	4	4	1	4	2	1	6	3	4	3	4	39
गुरु	5	4	4	6	5	5	1	5	7	5	4	5	56
मंगल	3	3	2	2	6	4	3	4	1	3	4	4	39
सूर्य	3	4	2	1	7	5	3	5	4	4	6	4	48
शुक्र	7	4	4	4	3	3	6	3	4	5	4	5	52
बुध	7	3	4	3	4	5	5	5	3	7	3	5	54
चंद्र	4	3	5	5	3	3	2	7	5	4	2	6	49
बिन्दु	32	25	25	22	32	27	21	35	27	32	26	33	337
रेखा	24	31	31	34	24	29	35	21	29	24	30	23	335

शोध्य पिंड - Sample

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	127	84	84	115	33	61	116
ग्रह पिंड	75	74	48	51	0	40	68
शोध्य पिंड	202	158	132	166	33	101	184

शोध्य पिंड - Demo

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	164	65	122	109	84	83	162
ग्रह पिंड	68	52	50	74	59	59	102
शोध्य पिंड	232	117	172	183	143	142	264



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

विंशोत्तरी दशा

बुध 10 वर्ष 5 मास 1 दिन

शनि 18 वर्ष 2 मास 8 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
30/08/1988	31/01/1999	31/01/2006	20/05/1990	28/07/2008	28/07/2025
31/01/1999	31/01/2006	31/01/2026	28/07/2008	28/07/2025	28/07/2032
00/00/0000	केतु 29/06/1999	शुक्र 01/06/2009	शनि 31/07/1992	बुध 24/12/2010	केतु 24/12/2025
00/00/0000	शुक्र 28/08/2000	सूर्य 01/06/2010	बुध 10/04/1995	केतु 22/12/2011	शुक्र 23/02/2027
30/08/1988	सूर्य 03/01/2001	चंद्र 31/01/2012	केतु 19/05/1996	शुक्र 22/10/2014	सूर्य 01/07/2027
सूर्य 02/03/1989	चंद्र 04/08/2001	मंगल 01/04/2013	शुक्र 19/07/1999	सूर्य 28/08/2015	चंद्र 30/01/2028
चंद्र 01/08/1990	मंगल 31/12/2001	राहु 01/04/2016	सूर्य 30/06/2000	चंद्र 26/01/2017	मंगल 27/06/2028
मंगल 30/07/1991	राहु 19/01/2003	गुरु 01/12/2018	चंद्र 30/01/2002	मंगल 24/01/2018	राहु 16/07/2029
राहु 15/02/1994	गुरु 26/12/2003	शनि 31/01/2022	मंगल 11/03/2003	राहु 12/08/2020	गुरु 22/06/2030
गुरु 23/05/1996	शनि 02/02/2005	बुध 01/12/2024	राहु 14/01/2006	गुरु 18/11/2022	शनि 01/08/2031
शनि 31/01/1999	बुध 31/01/2006	केतु 31/01/2026	गुरु 28/07/2008	शनि 28/07/2025	बुध 28/07/2032
सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
31/01/2026	31/01/2032	31/01/2042	28/07/2032	28/07/2052	28/07/2058
31/01/2032	31/01/2042	30/01/2049	28/07/2052	28/07/2058	28/07/2068
सूर्य 20/05/2026	चंद्र 01/12/2032	मंगल 29/06/2042	शुक्र 27/11/2035	सूर्य 14/11/2052	चंद्र 29/05/2059
चंद्र 19/11/2026	मंगल 02/07/2033	राहु 17/07/2043	सूर्य 27/11/2036	चंद्र 16/05/2053	मंगल 28/12/2059
मंगल 27/03/2027	राहु 31/12/2034	गुरु 22/06/2044	चंद्र 28/07/2038	मंगल 21/09/2053	राहु 28/06/2061
राहु 18/02/2028	गुरु 01/05/2036	शनि 01/08/2045	मंगल 27/09/2039	राहु 16/08/2054	गुरु 28/10/2062
गुरु 07/12/2028	शनि 01/12/2037	बुध 29/07/2046	राहु 27/09/2042	गुरु 04/06/2055	शनि 28/05/2064
शनि 19/11/2029	बुध 02/05/2039	केतु 25/12/2046	गुरु 28/05/2045	शनि 16/05/2056	बुध 27/10/2065
बुध 25/09/2030	केतु 01/12/2039	शुक्र 25/02/2048	शनि 28/07/2048	बुध 22/03/2057	केतु 28/05/2066
केतु 31/01/2031	शुक्र 01/08/2041	सूर्य 01/07/2048	बुध 29/05/2051	केतु 28/07/2057	शुक्र 27/01/2068
शुक्र 31/01/2032	सूर्य 31/01/2042	चंद्र 30/01/2049	केतु 28/07/2052	शुक्र 28/07/2058	सूर्य 28/07/2068
राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
30/01/2049	31/01/2067	31/01/2083	28/07/2068	29/07/2075	28/07/2093
31/01/2067	31/01/2083	01/02/2102	29/07/2075	28/07/2093	29/07/2109
राहु 14/10/2051	गुरु 20/03/2069	शनि 03/02/2086	मंगल 24/12/2068	राहु 10/04/2078	गुरु 15/09/2095
गुरु 08/03/2054	शनि 01/10/2071	बुध 13/10/2088	राहु 11/01/2070	गुरु 02/09/2080	शनि 29/03/2098
शनि 12/01/2057	बुध 06/01/2074	केतु 22/11/2089	गुरु 18/12/2070	शनि 10/07/2083	बुध 04/07/2100
बुध 02/08/2059	केतु 13/12/2074	शुक्र 21/01/2093	शनि 27/01/2072	बुध 27/01/2086	केतु 10/06/2101
केतु 19/08/2060	शुक्र 13/08/2077	सूर्य 03/01/2094	बुध 23/01/2073	केतु 14/02/2087	शुक्र 09/02/2104
शुक्र 20/08/2063	सूर्य 01/06/2078	चंद्र 05/08/2095	केतु 22/06/2073	शुक्र 14/02/2090	सूर्य 28/11/2104
सूर्य 14/07/2064	चंद्र 01/10/2079	मंगल 12/09/2096	शुक्र 22/08/2074	सूर्य 09/01/2091	चंद्र 30/03/2106
चंद्र 12/01/2066	मंगल 06/09/2080	राहु 20/07/2099	सूर्य 27/12/2074	चंद्र 10/07/2092	मंगल 05/03/2107
मंगल 31/01/2067	राहु 31/01/2083	गुरु 01/02/2102	चंद्र 29/07/2075	मंगल 28/07/2093	राहु 29/07/2109



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - शनि	शुक्र - बुध	शुक्र - केतु	बुध - राहु	बुध - गुरु	बुध - शनि
01/12/2018	31/01/2022	01/12/2024	24/01/2018	12/08/2020	18/11/2022
31/01/2022	01/12/2024	31/01/2026	12/08/2020	18/11/2022	28/07/2025
शनि 02/06/2019	बुध 26/06/2022	केतु 25/12/2024	राहु 12/06/2018	गुरु 30/11/2020	शनि 23/04/2023
बुध 13/11/2019	केतु 26/08/2022	शुक्र 06/03/2025	गुरु 15/10/2018	शनि 10/04/2021	बुध 09/09/2023
केतु 20/01/2020	शुक्र 14/02/2023	सूर्य 28/03/2025	शनि 11/03/2019	बुध 06/08/2021	केतु 05/11/2023
शुक्र 30/07/2020	सूर्य 07/04/2023	चंद्र 02/05/2025	बुध 21/07/2019	केतु 23/09/2021	शुक्र 17/04/2024
सूर्य 26/09/2020	चंद्र 02/07/2023	मंगल 27/05/2025	केतु 13/09/2019	शुक्र 08/02/2022	सूर्य 05/06/2024
चंद्र 31/12/2020	मंगल 31/08/2023	राहु 30/07/2025	शुक्र 15/02/2020	सूर्य 21/03/2022	चंद्र 26/08/2024
मंगल 09/03/2021	राहु 03/02/2024	गुरु 25/09/2025	सूर्य 02/04/2020	चंद्र 29/05/2022	मंगल 22/10/2024
राहु 29/08/2021	गुरु 20/06/2024	शनि 01/12/2025	चंद्र 19/06/2020	मंगल 17/07/2022	राहु 19/03/2025
गुरु 31/01/2022	शनि 01/12/2024	बुध 31/01/2026	मंगल 12/08/2020	राहु 18/11/2022	गुरु 28/07/2025
सूर्य - सूर्य	सूर्य - चंद्र	सूर्य - मंगल	केतु - केतु	केतु - शुक्र	केतु - सूर्य
31/01/2026	20/05/2026	19/11/2026	28/07/2025	24/12/2025	23/02/2027
20/05/2026	19/11/2026	27/03/2027	24/12/2025	23/02/2027	01/07/2027
सूर्य 05/02/2026	चंद्र 04/06/2026	मंगल 26/11/2026	केतु 06/08/2025	शुक्र 05/03/2026	सूर्य 02/03/2027
चंद्र 14/02/2026	मंगल 15/06/2026	राहु 16/12/2026	शुक्र 31/08/2025	सूर्य 27/03/2026	चंद्र 12/03/2027
मंगल 21/02/2026	राहु 13/07/2026	गुरु 02/01/2027	सूर्य 07/09/2025	चंद्र 01/05/2026	मंगल 20/03/2027
राहु 09/03/2026	गुरु 06/08/2026	शनि 22/01/2027	चंद्र 19/09/2025	मंगल 26/05/2026	राहु 08/04/2027
गुरु 24/03/2026	शनि 04/09/2026	बुध 09/02/2027	मंगल 28/09/2025	राहु 29/07/2026	गुरु 25/04/2027
शनि 10/04/2026	बुध 30/09/2026	केतु 16/02/2027	राहु 21/10/2025	गुरु 24/09/2026	शनि 15/05/2027
बुध 26/04/2026	केतु 10/10/2026	शुक्र 10/03/2027	गुरु 09/11/2025	शनि 30/11/2026	बुध 02/06/2027
केतु 02/05/2026	शुक्र 10/11/2026	सूर्य 16/03/2027	शनि 03/12/2025	बुध 29/01/2027	केतु 10/06/2027
शुक्र 20/05/2026	सूर्य 19/11/2026	चंद्र 27/03/2027	बुध 24/12/2025	केतु 23/02/2027	शुक्र 01/07/2027
सूर्य - राहु	सूर्य - गुरु	सूर्य - शनि	केतु - चंद्र	केतु - मंगल	केतु - राहु
27/03/2027	18/02/2028	07/12/2028	01/07/2027	30/01/2028	27/06/2028
18/02/2028	07/12/2028	19/11/2029	30/01/2028	27/06/2028	16/07/2029
राहु 15/05/2027	गुरु 28/03/2028	शनि 31/01/2029	चंद्र 19/07/2027	मंगल 08/02/2028	राहु 24/08/2028
गुरु 28/06/2027	शनि 14/05/2028	बुध 21/03/2029	मंगल 31/07/2027	राहु 01/03/2028	गुरु 14/10/2028
शनि 19/08/2027	बुध 24/06/2028	केतु 10/04/2029	राहु 01/09/2027	गुरु 21/03/2028	शनि 14/12/2028
बुध 04/10/2027	केतु 11/07/2028	शुक्र 07/06/2029	गुरु 30/09/2027	शनि 14/04/2028	बुध 06/02/2029
केतु 24/10/2027	शुक्र 29/08/2028	सूर्य 24/06/2029	शनि 02/11/2027	बुध 05/05/2028	केतु 28/02/2029
शुक्र 17/12/2027	सूर्य 12/09/2028	चंद्र 23/07/2029	बुध 03/12/2027	केतु 14/05/2028	शुक्र 03/05/2029
सूर्य 03/01/2028	चंद्र 07/10/2028	मंगल 12/08/2029	केतु 15/12/2027	शुक्र 07/06/2028	सूर्य 23/05/2029
चंद्र 30/01/2028	मंगल 24/10/2028	राहु 03/10/2029	शुक्र 20/01/2028	सूर्य 15/06/2028	चंद्र 23/06/2029
मंगल 18/02/2028	राहु 07/12/2028	गुरु 19/11/2029	सूर्य 30/01/2028	चंद्र 27/06/2028	मंगल 16/07/2029



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांक से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

3	मूलांक	2
1	भाग्यांक	8
3, 5, 7, 9, 1	मित्र अंक	2, 7, 8
4, 8	शत्रु अंक	4, 5, 6
21,30,39,48,57	शुभ वर्ष	20,29,38,47,56
शनि, बुध, शुक्र	शुभ दिन	बुध, शुक्र, शनि
शनि, बुध, शुक्र	शुभ ग्रह	बुध, शुक्र, शनि
वृश्चिक, धनु	मित्र राशि	वृश्चिक, धनु
मकर, मिथुन, सिंह	मित्र लग्न	कन्या, कुम्भ, मेष
जगदम्बा	अनुकूल देवता	जगदम्बा
हीरा	शुभ रत्न	पन्ना
जरकिन, ओपल	शुभ उपरत्न	संगपन्ना, मरगज
पन्ना	भाग्य रत्न	नीलम
रजत	शुभ धातु	कांसा
रजत	शुभ रंग	हरित
दक्षिणपूर्व	शुभ दिशा	उत्तर
सूर्योदय	शुभ समय	सूर्योदय के बाद
मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन	दान पदार्थ	हाथी दाँत, कपूर, फल
चावल	दान अन्न	मूँग
दूध	दान द्रव्य	घी



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सोखकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन-तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

Sample

जीवन रत्न:	हीरा	भाग्योदय, दुर्घटना से बचाव, स्वास्थ्य
भाग्य रत्न:	पन्ना	कम खर्च, भाग्योदय
कारक रत्न:	नीलम	पराक्रम, सुख, सन्तति सुख

Demo

जीवन रत्न:	पन्ना	धनार्जन, स्वास्थ्य, सुख
भाग्य रत्न:	नीलम	दुर्घटना से बचाव, भाग्योदय
कारक रत्न:	हीरा	व्यावसायिक उन्नति, कम खर्च, सन्तति सुख

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है। लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है। साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है। प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है। प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है। द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है।

प्रथम चक्र:		प्रथम चक्र:	
साढ़ेसाती प्रथम ढैया	06/03/1993-10/08/1995	साढ़ेसाती प्रथम ढैया	06/03/1993-10/08/1995
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	10/08/1995-16/04/1998	साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	10/08/1995-16/04/1998
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	16/04/1998-05/06/2000	साढ़ेसाती तृतीय ढैया	16/04/1998-05/06/2000
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	22/07/2002-05/09/2004	चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	22/07/2002-05/09/2004
अष्टम स्थानस्थ ढैया	15/11/2011-02/11/2014	अष्टम स्थानस्थ ढैया	15/11/2011-02/11/2014
द्वितीय चक्र:		द्वितीय चक्र:	
साढ़ेसाती प्रथम ढैया	21/07/2022-24/03/2025	साढ़ेसाती प्रथम ढैया	21/07/2022-24/03/2025
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	24/03/2025-26/10/2027	साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	24/03/2025-26/10/2027
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	26/10/2027-11/04/2030	साढ़ेसाती तृतीय ढैया	26/10/2027-11/04/2030
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	25/05/2032-06/07/2034	चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	25/05/2032-06/07/2034
अष्टम स्थानस्थ ढैया	06/03/2041-02/12/2043	अष्टम स्थानस्थ ढैया	06/03/2041-02/12/2043
तृतीय चक्र:		तृतीय चक्र:	
साढ़ेसाती प्रथम ढैया	17/02/2052-09/09/2054	साढ़ेसाती प्रथम ढैया	17/02/2052-09/09/2054
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	09/09/2054-01/04/2057	साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	09/09/2054-01/04/2057
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	01/04/2057-22/05/2059	साढ़ेसाती तृतीय ढैया	01/04/2057-22/05/2059
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	05/07/2061-15/02/2064	चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	05/07/2061-15/02/2064
अष्टम स्थानस्थ ढैया	25/10/2070-20/04/2073	अष्टम स्थानस्थ ढैया	25/10/2070-20/04/2073
शनि का ढैया फल		शनि का ढैया फल	
ढैया के प्रकार	फल क्षेत्र	ढैया के प्रकार	फल क्षेत्र
साढ़ेसाती प्रथम ढैया	शुभ सन्तति सुख	साढ़ेसाती प्रथम ढैया	शुभ भाग्योदय
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	सम शत्रु व रोग	साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	सम व्यावसाय
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	अशुभ दाम्पत्य कलह	साढ़ेसाती तृतीय ढैया	अशुभ अल्प बचत
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम भाग्योदय	चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम स्वास्थ्य
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ स्वास्थ्य	अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ सन्तति सुख



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: https://www.ratnajyoti.com/

कालसर्प योग

अग्ने राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः ।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय ॥

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलाब्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलाब्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं। कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते हैं। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त



किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

Sample

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

Demo

आपकी जन्मकुण्डली में कर्कोटक नामक कालसर्प योग केवल अनुदित रूप में विद्यमान है। अनुदित योग पूर्णरूप से कालसर्प योग की परिभाषा में नहीं आता, लेकिन फिर भी इसका कुछ फल अवश्य मिलता है। फलस्वरूप जातक को भाग्योदय होने में आंशिक रूप से व्यवधान उपस्थित हो जाता है। नौकरी में थोड़ा बहुत रुकावट आती है या कभी पदावनति होने का भय होता है। प्रायः जातक को पैतृक सम्पत्ति का मनोवांछित लाभ नहीं मिलता है। व्यापारादि कार्यों में थोड़ा बहुत नुकसान उठाना पड़ता है और विशेष परिश्रम करने के बावजूद भी उसका सही फल प्राप्त नहीं होता है। कामों में स्थिरता प्रायः नहीं आ पाती।

इस योग के प्रभाव से जातक अपने मित्रों के द्वारा कभी थोड़ा बहुत छले जाते हैं। जिस कारण जातक को नुकसान उठाना पड़ता है। कभी जातक के शरीर में रोग व्याधि ग्रसित कर लेती है तथा आंशिक रूप में मानसिक परेशानी घेरे रहती है। जातक को कुटुम्ब से अपयश मिलता है एवं आत्मीय परिजनों से सम्मान नहीं मिलता है।

इस योग के कारण जातक को अपनी वाणी पर नियन्त्रण नहीं रहता एवं वाणी कभी-कभी दूषित हो जाती है। परिणामस्वरूप जातक का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। बात-बात पर लड़ाई-झगड़े करने को भी तैयार हो जाता है और जातक को आंशिक रूप से आर्थिक नुकसान होता है तथा उधार में दिया हुआ पैसा प्रायः डूब ही जाता है। जातक को कभी शस्त्राघात का भय होता है। जातक के अनेक शत्रु होते हैं। वे षड्यन्त्र रचते रहते हैं, परन्तु अपने षड्यन्त्र में वे कभी सफल नहीं होते। जातक को अकाल मृत्यु का भय बना रहता है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. बहते पानी में नारियल के फल को तीन बार शुभ मुहूर्त में प्रवाहित करें।
3. बहते पानी में कोयला को शुभ मुहूर्त में तीन बार प्रवाहित करें।
4. हरिजन को मसूर की दाल तथा द्रव्य शुभ मुहूर्त में तीन बार दान करें।



5. हनुमान चलीसा का 108 बार पाठ करें।
6. शयन कक्ष में लाल रंग के पर्दे, चादर तथा तकियों का उपयोग करें।
7. कुल देवता की पूजा करें।
8. धूम्रवस्त्र, तिल, कम्बल एवं सप्तधान्य शुभ मुहूर्त में रात्रि को दान करें।
9. केतु की उपासना उसकी महादशा में अवश्य करें।
10. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबाल कर एक बार स्नान करें।
11. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।
12. नीला रुमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन्, लोहे की अंगूठी धारण करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगैरे।



RATNA JYOTI®

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

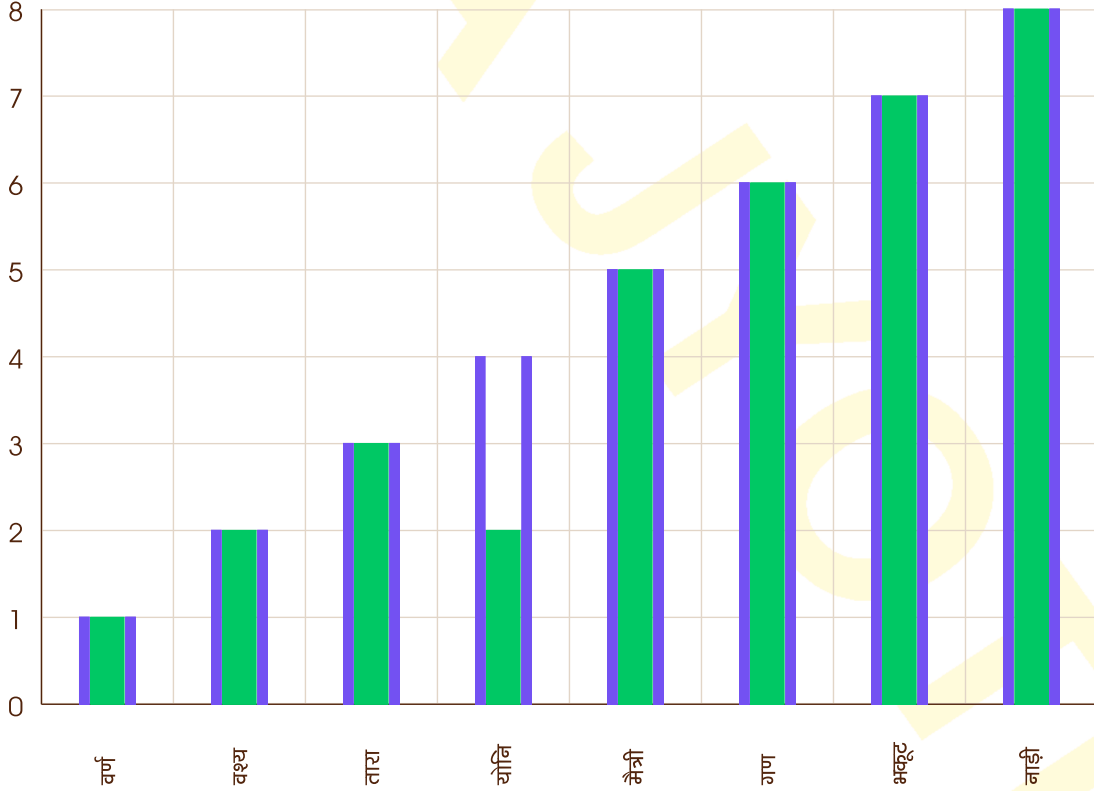
Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	34.00		

कुल : 34 / 36



अष्टकूट मिलान

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विद्यमान है।

Sample का वर्ग सर्प है तथा Demo का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sample और Demo का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sample मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Demo मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Sample तथा Demo में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

मेलापक फलित

स्वभाव

Sample एवं Demo की राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुख एवं शांति से व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Sample एवं Demo की राशि का स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके शुभ प्रभाव से Sample एवं Demo के मध्य प्रगाढ़ मित्रता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम आकर्षण तथा समर्पण की भावना होगी। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर होंगे। Sample और Demo एक दूसरे के सदगुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे शांति एवं सदभावना बनी रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति त्याग एवं विश्वास का भाव बना रहेगा।

Sample और Demo की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है तथा सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम रहती है। इसके शुभ प्रभाव से Sample और Demo एक दूसरे के लिए परम सौभाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करके सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ रहेगी। इस प्रकार Sample और Demo एक दूसरे के पूरक रहेंगे तथा प्रेम पूर्वक निस्वार्थ भाव से अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Sample और Demo का वश्य जलचर है। अतः इनकी अभिरुचियों में पूर्ण समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी समान होंगी। फलतः कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे दोनों सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

Sample एवं Demo का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इसके प्रभाव से दोनों की प्रवृत्ति शैक्षणिक धार्मिक तथा अन्य सत्कार्यों में रहेगी तथा स्व बुद्धिमता एवं योग्यता से कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता बनाए रखने में समर्थ होंगे।

धन

Sample की तारा सम्पत तथा Demo की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Sample सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Demo के भाग्य से उनकी धन सम्पत्ति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Sample और Demo को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Demo का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Sample की नाड़ी अन्त्य तथा Demo की नाड़ी मध्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को परिश्रम एवं पराक्रम से सिद्ध करने में समर्थ होंगे। साथ ही मंगल भी इन दोनों के लिए शुभ ही रहेगा तथा इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार उत्तम वैवाहिक जीवन के लिए यह मिलान श्रेष्ठ रहेगा।

संतान

संतति की दृष्टि से Sample और Demo का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Sample और Demo को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Sample और Demo के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Demo का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Demo के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Demo सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Sample और Demo को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Sample और Demo का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Demo के अपनी सास के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Demo को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Demo भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।



ससुर पक्ष से Demo को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Demo उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Demo के मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्द्विता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Demo के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Sample की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Sample सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Sample ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Sample के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।



अंक ज्योतिष फल

Sample

आपका जन्म दिनांक 30 है। तीन एवं शून्य का योग तीन आपका मूलांक होता है। मूलांक तीन का स्वामी बृहस्पति ग्रह को माना गया है। शून्य शिव है, अखण्ड ब्रह्माण्ड का द्योतक है।

मूलांक तीन के स्वामी बृहस्पति के प्रभाव वश आप एक अनुशासन प्रिय तथा कठोर व्यक्ति के रूप में चर्चित रहेंगे। आपकी स्वयं अनुशासन में रहने की इच्छा रहेगी और यही अपेक्षा दूसरों से करेंगे। मातहतों के साथ आपकी कार्यशैली कठोर रहेगी। इससे आपको अधीनस्थों के विरोध, आलोचनाओं का शिकार होना पड़ेगा। आपका रुझान ज्ञान की ओर होने से आप विद्याध्यन के क्षेत्र में सफल रहेंगे। बौद्धिक स्तर के कार्य आप भलीभाँति संपादित करेंगे। कार्यों में आपकी मौलिकता झलकेगी। आपकी मुखिया बनने की महत्वाकांक्षा कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत रहेगी और दूसरों पर शासन करने में निपुण रहेंगे। धर्मक्षेत्र, कार्यक्षेत्र, समाजसेवा इत्यादि के कार्यों में आपको ख्याति प्राप्त होगी।

तर्क, ज्ञान शक्ति आपमें होने से आप मानसिक रूप से संतुलित रहेंगे तथा इसकी छया आपके कार्यों में दृष्टि गोचर होगी। आप सामाजिक भलाई के कार्यों में रुचि लेंगे एवं कभी-भी किसी का अहित नहीं करेंगे। शून्य प्रभाववश आप शान्त, कोमल हृदय के वाणी से मधुर, सच्चाई के रास्ते पर चलने वाले धर्म-कर्म के क्षेत्र में अग्रण्य व्यक्ति के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

Demo

आपका जन्म दिनांक 20 है। दो एवं शून्य का जोड़ दो आपका मूलांक होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्र तथा शून्य शिव या ब्रह्म है। इनके संयुक्त प्रभाव से आप एक सौम्य, सुन्दर एवं कल्पनाशील महिला होंगी। कल्पना शक्ति आपकी श्रेष्ठ रहेगी। अधिकांश कार्य आप अपनी बुद्धि से करेंगी। शारीरिक कार्यों में आपकी रुचि कम होगी। चन्द्र प्रभाववश आप अपनी योजनाओं में काट-छांट करने की आदी रहेंगी। इससे आपका कार्य देर से पूर्ण होगा। आपकी कुछ योजनाएं अधर में ही लटक जायेंगी। जिनका आपको पछतावा होगा तथा मानसिक यातना भी होगी।

मन आपका चंचल होने से आप गतिशील रहना पसन्द करेंगी। इस स्वभाव से आप दूर-दूर की यात्राएं करेंगी तथा देश विदेश का भ्रमण करेंगी। एकाध यात्रा तो ऐसी होंगी जो आपका भाग्य बदल देंगी। आत्मविश्वास की आप में कमी रहेगी। इससे कई कार्य आपके समय पर पूर्ण नहीं होंगे। कभी-कभी आप निराशा में डूब जायेंगी और शून्य की भाँति आपको जीवन अंधकारमय लगेगा। लेकिन धैर्य एवं साहस से कुछ समय उपरान्त आप पुनः खोई हुई प्रतिष्ठा को प्राप्त कर लेंगी।



सामाजिक स्थिति आपकी अच्छी रहेगी। जनता के मध्य आप लोकप्रिय रहेंगी। इससे आपकी मानसिक स्थिति काफी संतुलित रहेगी। चन्द्र स्वभाव से आपको सर्दी-जुकाम, कफ इत्यादि के रोग यदा-कदा पीड़ित करेंगे। मानसिक ऊर्जा का आप अधिक प्रयोग करेंगी। इस कारण कभी-कभी सिर दर्द, मानसिक तनाव इत्यादि होंगे। वैसे मूलांक के प्रभाव से आप अपने जीवन में एक सफल, लोकप्रिय तथा हैसियत वाली महिला होंगी।

Sample

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाले स्पष्ट वक्ता होंगे। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाले यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाले शूरवीर व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे। आपका जीवन चक्र एक राजा की भाँति संचालित होगा अर्थात् आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचार धारा पर निर्भीक चलेंगे। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी। एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगे। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगे। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगे, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।

Demo

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुई हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगी। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएँ रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगी। आपकी सभी सफलताएं विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगी। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी।



लग्न फल

Sample

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृत्ति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांटेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बातें करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृत्ति के हो जाते हैं। आप इस प्रकार की प्रवृत्ति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृत्ति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रुचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।

Demo

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं तुला का द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप स्पष्ट रूपेण यह विदित होता है कि आपका व्यक्तित्व विखंडित है। यदा-कदा आप अपने भरोसे ही निश्चित रूप से दूसरे व्यक्ति की संपत्ति अधिग्रहण करेंगी। आप किसी अन्य व्यक्ति को बुद्धिमत्ता पूर्वक अनुचित ढंग से बहुत लाभ उठाने के लिए अपने साथ संलग्न कर लेंगी। आप किसी प्रकार दो परस्पर विरोधी विशिष्ट कार्य संपादन कर सकेंगी। यह अनुमान कोई भी व्यक्ति



नहीं लगा सकता है।

आप बहुत ही चुस्त चालाक महिला हैं। आप किसी भी व्यक्ति का अध्ययन का कलात्मक ढंग से उसकी भावना को अनुकूल रूपेण परिवर्तित कर देंगी।

आप गायन एवं नृत्य कला से आनंद प्राप्त करती हैं तथा आपकी विनोदी अर्थात् मनोरंजक वार्तालाप से अन्य लोग प्रभावित होते हैं। यह तथ्य पूर्ण विषय है कि आप किसी भी क्षेत्र में उच्चतम शिखर तक उन्नति प्राप्त करेंगी। लेकिन आप आत्मसंयम पूर्वक एकाग्र होकर किसी न किसी प्रकार कर्म व्यवसाय के लिए कोई न कोई (हल) मध्यमार्ग अपना कर तथा अन्य क्षेत्र को पार कर सफल हो जाएंगी। आपमें एक बड़ी दुर्बलता है कि आप किसी कार्य को आगे बढ़ाकर पीछे हट जाती हैं। यदि आप अपनी मनोभिलाषा को दृढ़ रखें तथा उच्चस्तरीय कार्य संपादन करें तो आप सफलता प्राप्त कर लेंगी।

आप में अन्य नकारात्मक दुर्गुण यह है कि आप अपनी चिड़-चिड़ापन प्रवृत्ति के प्रति सतर्क नहीं रहती अस्तु अपनी मनोदशा में परिवर्तन लाएं।

आप अति शीघ्रता पूर्वक अपना धैर्य खो बैठती हैं। अर्थात् आपको धैर्य धारण करना चाहिए। इस प्रकार की प्रवृत्ति से आपको आत्मनिर्भर होने में विलंब हो सकता है। इस प्रकार आपको समझ पाना उनके लिए दुष्कर है। क्योंकि आप उन पर अपना प्रभाव दोहरी नीति से डालकर आनंद प्राप्त करती हैं। यह भी विचारणीय है कि वास्तव में आपकी भावनाओं को सभी जन संक्षिप्त रूप से अन्यथा समझते हैं।

आपका रंग सांवला, दुबला-पतला शरीर एवं उच्च आकृति की प्राणी हैं। यह सत्य एवं प्रमाणित है कि विपरीत योनि के सदस्य आपकी आकर्षक आखों एवं रुचिकर आनंददायक बातों से प्रसन्न एवं आप से युक्त रहते हैं। परिणामस्वरूप आपके अनेक प्रेम संबंध हैं तथा आप पूर्ण रूपेण असंभाव्य रोमांचक एवं दुःसाहसपूर्ण रवैये की भुक्त भोगी हैं। आप घर में अपनी तानाशाही प्रवृत्ति के अनुकूल जीवन साथी पर नियंत्रण रखना चाहती हैं। जो आपकी कामुकता संबंधी स्वार्थ साधन का सहयोगी हो। परंतु जब पति इसे स्वीकार नहीं करते तो आप कामवासना की पूर्ति हेतु घर से बाहर अपना संबंध का विस्तार करते हैं। आप घर से बाहर अपने प्रेम संबंधी को सावधानिक पूर्वक चयन करती हैं।

मिथुन लग्नादि से संबंधित प्राणी के लिए अनुकूल व्यक्ति वह है जिसका जन्म सिंह, मेष, तुला एवं कुंभ राशि लग्न में हुआ हो। यदि आप समुचित जीवन साथी का चयन कर सके तो मात्र आपका जीवन ही शांति पूर्ण नहीं रहेगा बल्कि सर्वथा अच्छी संतान का सच्चा आनंद प्राप्त करेंगे। आपको अपने जीवन मार्ग पर अखंडित और बाधा रहित आनंदपूर्ण जीवन बिताने के लिए आपके जीवन की अनुकूल आयु पचीसवां वर्ष से उज्ज्वलतम है। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। आपको अपनी स्वास्थ्य की रक्षा एवं सुख पूर्वक जीवन निर्वाह हेतु श्वास रोग, दमा, कफ उदासीनता एवं स्वरभंग रोगादि को उत्पन्न नहीं होने देने की सतर्कता से बहुत दिनों तक स्वस्थ रहेंगी।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार,



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं चमत्कारिक है। परंतु अंक 4 और 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंग मोतिया, नीला, हरा पीला एवं गुलाबी रंग अनुकूल है एवं लाल रंग एवं काला रंग सर्वथा त्यागनीय है।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

Sample

आपके जन्म समय में लग्न में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। सामान्यतया तुला लग्न में उत्पन्न जातक सुन्दर स्वस्थ एवं दर्शनीय होते हैं तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होता है जिससे अन्य लोग उनसे प्रभावित रहते हैं। इनकी प्रवृत्ति हास्य प्रिय होती है तथा बच्चों के प्रति इनके मन में प्रबल स्नेह का भाव विद्यमान रहता है। सुन्दर दृश्यों एवं वस्तुओं के प्रति भी इनमें आकर्षण रहता है। स्वभाविक रूप से ये अन्य जनों को किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं देते हैं तथा सबके साथ समानता का व्यवहार करते हैं जिससे समाज में ये सम्मानित प्रतिष्ठित तथा प्रसिद्ध रहते हैं। कला के प्रति इनका भावनात्मक लगाव रहता है तथा अच्छे कार्यों से ये अपनी आजीविका अर्जित करते हैं। नीति ज्ञान में ये चतुर होते हैं अतः राजनीति के क्षेत्र में इनको नेतृत्व प्राप्त हो जाता है परन्तु इनका कोई निश्चित सिद्धांत नहीं होता तथा समयानुसार ये परिवर्तन करते हैं।

अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक सौष्ठव व्यक्तित्व आकर्षक होगा तथा अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगे। आपकी प्रवृत्ति हास्यप्रिय होगी तथा गम्भीरता आपको विशेष अच्छी नहीं लगेगी। बच्चों के प्रति आपके मन में स्नेह का भाव रहेगा तथा प्राकृतिक दृश्यों के प्रति आपके मन में आकर्षण रहेगा। साथ ही कला से आपका भावनात्मक सम्बन्ध रहेगा।

आप सभी लोगों से समानता का व्यवहार करेंगे तथा आपके मन में किसी भी प्रकार का भेद भाव नहीं रहेगा अपने कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव रहेगा तथा आपके अधिकारी एवं सहयोगी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। आप किसी नवीन सिद्धांत या ग्रन्थ आदि की भी रचना कर सकते हैं जिससे आपको यश की प्राप्ति होगी।

लग्न में लग्नेश शुक्र की राशि के प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक शांति एवं सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। आप एक बुद्धिमान पुरुष होंगे तथा बुद्धिमता से अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। आपकी प्रवृत्ति विलासी होगी तथा भौतिकता के प्रति अत्यधिक आकर्षण रहेगा जिससे आपकी प्रवृत्ति काफी व्ययशील होगी। आपकी प्रवृत्ति भ्रमण प्रिय होगी तथा यात्रा आदि भी समय समय पर सम्पन्न करते रहेंगे। कला एवं संगीत में आप निपुण होंगे तथा कार्य करने में अत्यंत ही दक्ष होंगे।

आप में सहनशीलता का भाव विद्यमान होगा तथा धैर्यपूर्वक कार्यों को सम्पन्न करके उनमें सफलता की प्रतीक्षा करने में समर्थ होंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको समय समय पर धनार्जन होता रहेगा। आप में शारीरिक बल की भी प्रचुरता रहेगी फलतः परिश्रम एवं पराक्रम का प्रदर्शन करके आप जीवन में मनोवांछित सफलताओं को अर्जित करेंगे जिससे समाज में आपका प्रभाव रहेगा तथा सभी लोग आपका आदर करेंगे। साथ ही यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कृत्यों को नियमपूर्वक सम्पन्न करेंगे। जिससे आपको मानसिक शांति की अनुभूति होगी। मित्र वर्ग के मध्य आप प्रिय एवं आदरणीय रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा।

Demo

आपके जन्म समय में लग्न में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। मिथुन लग्न में उत्पन्न जातक सामान्यतया विनम्र उदार एवं हास्य प्रवृत्ति के व्यक्ति होते हैं तथा बुद्धिमता का भाव उनके मुख पर स्पष्ट परिलक्षित होता है। वे स्वाभिमानी होते हैं तथा जीवन में स्वपराक्रम बुद्धि एवं योग्यता से वांछित उन्नति करके समस्त भौतिक सुख संसाधनों को प्राप्त करते हैं तथा सुख पूर्वक उनका उपभोग करते हैं। उनके सभी कार्य सोचसमझकर सम्पन्न होते हैं तथा सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से उनके सम्पर्क बने रहते हैं। साहित्य संगीत एवं कला के प्रति इनकी रुचि रहती है तथा नवीन सिद्धांतों या मूल्यों का प्रतिपादन करने में समर्थ होते हैं। इसके अतिरिक्त गणित लेखन या संपादन के क्षेत्र में ये सफल रहते हैं।

अतः इसके प्रभाव से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक शांति एवं सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आप बुद्धिमता का परिचय देंगे तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश अर्जित करेंगे। साथ ही जीवन में स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगी।

मित्रों के प्रति आपके मन में निष्ठा रहेगी। सरकारी कार्यों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान प्रदान करेंगी। आपका व्यक्तित्व आकर्षक होगा तथा अन्य जन आपसे प्रभावित होंगे। साहित्य एवं संगीत में आप परिश्रम पूर्वक मान प्रतिष्ठा भी अर्जित करने में समर्थ हो सकेंगे तथा गणित या लेखन आदि में भी आपकी अभिरुचि होगी।

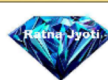
लग्न में बृहस्पति के प्रभाव से शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगी। आप एक विदुषी महिला होंगी तथा अपने विषय पर आपका पूर्ण आधिपत्य होगा जिससे सभी लोग आपसे प्रभावित होंगे। आपकी बुद्धि भी तीक्ष्ण होगी अपने सभी कार्य कलापों को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करेंगी। आप एक व्यवहार कुशल महिला होंगी तथा समयानुसार परिवर्तन करके अवसर का लाभ उठाने में तत्पर होंगी। आप में उदारता, परोपकार तथा विनम्रता का भाव भी विद्यमान होगा।

जीवन में इच्छित धनैश्वर्य अर्जित करने में आप सफल होंगी तथा अन्य भौतिक सुखों की भी समय समय पर प्राप्ति होती रहेगी जिसका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगी। आपके कुंडली में अचानक धन प्राप्ति के योग भी बनते हैं जिससे समय समय पर आपको लाभ होता रहेगा। लेखन या विज्ञान के क्षेत्र में भी आप इच्छित प्रतिष्ठा तथा प्रसिद्धि अर्जित कर सकती हैं।

आप एक आस्तिक महिला होंगी तथा धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी एवं समय समय पर धार्मिक कलापों को सम्पन्न करेंगी। पिता के प्रति भी आपके पूर्ण



श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। अपने परिवार की आप उन्नति करेंगी तथा पिता के नाम से आपको प्रसिद्धि प्राप्त होगी। आप सुशील महिला होंगी तथा नैतिकता के अनुपालन में तत्पर रहेंगी।



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

Sample

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में वृश्चिक राशि उदित हुई है जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में अपने प्रयत्न एवं परिश्रम से धनार्जन करने में सफल रहेंगे। आपको पैतृक सम्पत्ति की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी परन्तु बहुमूल्य रत्न तथा धातुओं को आप अपनी योग्यता तथा लगन से अर्जित करने में अवश्य सफलता प्राप्त करेंगे। आपकी रुचि जायदाद या भूमि संबंधी कय विकय या सम्बन्धित कार्यों में रहेगी जिससे आपको प्रचुर मात्रा में लाभ होगा। आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा परिवार के सहयोग से जीवन में इच्छित उन्नति तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। लेकिन आपात्काल में स्वयं को व्यवस्थित करने में असुविधा की अनुभूति करेंगे।

पारिवारिक जनों की प्रसन्नता तथा सुविधा कार्यों में आप सतत यत्नशील रहेंगे तथा पारिवारिक शान्ति एवं सुख संसाधनों पर काफी व्यय करेंगे जिससे वे लोग सन्तुष्ट रह सकें। आपकी वाणी प्रभावशाली रहेगी तथा अन्य जनों को तर्क पूर्ण वाणी से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसे लोग सहमत भी रहेंगे। मिष्ठान के आप प्रिय रहेंगे तथा इसके भक्षण से आपको किंचित प्रसन्नता प्राप्त होगी लेकिन प्रौढ़ावस्था में आप नेत्र संबंधी कष्ट प्राप्त कर सकते हैं इसके अतिरिक्त धार्मिक परम्पराओं का आप पूर्ण पालन करेंगे तथा शुभ एवं मंगल कार्य भी समय समय पर करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त सज्जन पुरुषों के प्रति आपके मन में हमेशा आदर का भाव रहेगा।

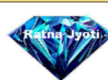
Demo

आपकी जन्म कुंडली में द्वितीय में कर्क राशि स्थित है जिसका स्वामी चन्द्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आप एक भावुक प्रवृत्ति की होंगी तथा यदा कदा अधिक वार्तालाप भी करेंगी। समाज में आप एक सम्मानीया महिला रहेंगी तथा सभी लोग आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। आपकी वाणी भी स्पष्ट एवं मधुर रहेगी जिससे सम्मुख व्यक्ति आपसे प्रभावित रहेगा। साथ ही अपने विचारों को बिना किसी असुविधा के अन्य लोगों के समक्ष प्रस्तुत करेंगी जिससे सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे।

पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि आपकी उत्तम रहेगी तथा परिवार की शान्ति तथा खुशहाली के लिए नित्य प्रयत्नशील रहेंगी। साथ ही संतति से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की समय समय पर प्राप्ति होती रहेगी। आप सामान्यतया सुन्दर तथा स्वादिष्ट भोजन करने में रुचिशील रहेंगी लेकिन मिष्ठान आपका विशेष प्रिय रहेगा परन्तु इसके अधिक उपयोग से आपको कोई शारीरिक परेशानी भी हो सकती है अतः इसका अधिक मात्रा में उपयोग कम ही करें। परिवार में आप समय समय पर धार्मिक या मांगलिक उत्सवों का भी आयोजन करती रहेंगी। आप अपने विचारों की पुष्टि के लिए हमेशा ठोस तर्कों को प्रस्तुत करेंगी जिससे लोग आपसे प्रभावित तथा सहमत रहेंगे। पुत्रों का आपके प्रति विशेष स्नेह रहेगा तथा आपकी सेवा



तथा सहयोग में सदैव तत्पर रहेंगे। अतः आप सुख पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगी।



RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

Sample

आपके जन्मसमय में चतुर्थ भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में आप समस्त सांसारिक एवं भौतिक सुखों को प्राप्त करने में समर्थ होंगे। आपको आधुनिक सुख-संसाधनों की भी प्राप्ति होगी जिसका सुखपूर्वक उपभोग करेंगे। आप एक समृद्ध एवं वैभवशाली व्यक्ति होंगे तथा समाज में आदरणीय व्यक्ति माने जायेंगे।

आप एक सौभाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा चल एवं अचल सम्पत्ति से युक्त होकर उसके स्वामित्व को प्राप्त करेंगे। विवाह के बाद पत्नी के प्रभाव या सहयोग से भी आपको वांछित चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। इससे आपकी समृद्धि में वृद्धि होगी तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से आपको समय समय पर धन सम्पत्ति की प्राप्ति होती रहेगी। आप चल एवं अचल दोनों प्रकार की सम्पत्ति से युक्त होंगे। अतः इन पर आप इच्छित निवेश कर सकते हैं।

जीवन में आपको उत्तम घर की प्राप्ति होगी तथा यह विस्तृत क्षेत्र में होगा तथा आधुनिक सुख-सुविधाओं एवं उपकरणों से सुसज्जित रहेगा। आप भी व्यक्तिगत रूप से इसके आकर्षण एवं सुन्दरता बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील होंगे। आपका घर किसी समृद्ध कालोनी में होगा तथा पड़ोसी भी बुद्धिमान एवं शिक्षित होंगे एवं आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। इसके अतिरिक्त उत्तम वाहन से भी आप युक्त होंगे तथा इनकी संख्या एक से अधिक भी हो सकती है।

आपकी माताजी सुन्दर, शिक्षित, बुद्धिमान एवं आधुनिक विचारों की महिला होंगी तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा। वह एक व्यवहार कुशल महिला होंगी तथा पारिवारिक सदस्यों का मर्जी से लालन पालन करेंगी जिससे सभी लोग उनको वांछित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनके मन में विशेष वात्सल्य का भाव होगा तथा समय समय पर उनसे आपको वांछित आर्थिक एवं नैतिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आपकी उन्नति में भी उनका मुख्य योगदान होगा। आप भी उनके प्रति श्रद्धा एवं आज्ञाकारिता का भाव रखेंगे तथा सुख-दुःख में उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे इससे आपसी संबंधों में भी मधुरता बनी रहेगी।

विद्याध्ययन में आपकी प्रारंभ से ही रुचि होगी तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से आप छोटी कक्षाओं से ही अच्छे अंक लेकर परीक्षाएं उत्तीर्ण करेंगे। स्नातक परीक्षा भी आप संतोष जनक रूप से उत्तीर्ण करेंगे। इससे आपके मन में उत्साह के भाव में वृद्धि होगी तथा भविष्य में भी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए स्वयं को तैयार करेंगे। स्वजनों एवं संबंधियों से भी आप वांछित आदर, स्नेह एवं प्रोत्साहन प्रदान करेंगे।



Demo

आपके जन्मसमय में चतुर्थ भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में आप समस्त भौतिक सुखसंसाधनों एवं उपकरणों से युक्त रहेंगी तथा आनंदपूर्वक इनका उपभोग करेंगी। बुध के प्रभाव से आप में बुद्धिमता एवं व्यावहारिकता के भाव की प्रधानता होगी फलतः अपने इन्हीं गुणों से जीवन में ऐश्वर्य एवं वैभव की प्राप्ति करेंगी तथा समाज में आपका सम्माननीय स्तर रहेगा।

आप एक भाग्यशाली महिला होंगी तथा जीवन में चल एवं अचल संपत्ति को अवश्य प्राप्त करेंगी। संबंधीवर्ग से भी आपको न्यूनाधिक मात्रा में चल एवं अचल संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। आप स्वयं एक बुद्धिमान एवं योग्य महिला होंगी तथा अपने इन ही गुणों से भी वांछित मात्रा में चल एवं अचल सम्पत्ति अर्जित करके अपने ऐश्वर्य एवं समृद्धि में वृद्धि करेंगी।

जीवन में आपको उत्तम गृह की प्राप्ति होगी तथा आपका घर समस्त आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित होगा। घर की सफाई के प्रति आप पूर्ण रूपेण तत्पर होंगी तथा अन्य पारिवारिक जनों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगी। आपका घर किसी अच्छी कालोनी में होगा तथा पड़ोसी भी शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे तथा उनसे संबंधों में पर्याप्त मधुरता होगी। इसके अतिरिक्त युवावस्था में ही आपको उत्तम वाहन की प्राप्ति होगी तथा जीवन में विभिन्न प्रकार से आप वाहन सुख अर्जित करने में समर्थ होंगी।

आपकी माता बुद्धिमान शिक्षित एवं आदर्शवादी महिला होंगी तथा अपनी बुद्धिमता एवं व्यावहारिकता से सभी पारिवारिक जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखेंगी। सभी लोग उनका सम्मान एवं आज्ञा का पालन करेंगे। आपके प्रति उनके मन में विशिष्ट स्नेह एवं वात्सल्य की भावना होगी तथा अवसरानुकूल आपको आर्थिक एवं नैतिक सहयोग प्रदान करती रहेंगी। आपका भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान का भाव होगा। एवं सुख-दुख में उन्हें पूर्ण रूप से सहयोग प्रदान करेंगी जिससे आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी।

आप प्रारंभ से ही बुद्धिमान महिला होंगी तथा अध्ययन के प्रति आपकी पूर्ण रुचि होगी एवं प्रारंभिक कक्षाओं से ही अच्छे अंक अर्जित करेंगी। अतः स्नातक परीक्षा आप अच्छे अंकों से उत्तीर्ण करेंगी तथा अपने उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेंगी। इससे आपके आत्मविश्वास के भाव में वृद्धि होगी तथा अन्य संबंधियों एवं मित्रों से उचित सम्मान एवं प्रोत्साहन मिलेगा जिससे कार्य क्षेत्र में आप आशातीत उन्नति प्राप्त करेंगी।



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

Sample

आपके जन्म समय में पंचमभाव में कुंभ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। तथा राहु भी पंचमभाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा अपनी बुद्धिमता से समस्त सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा उनमें आपको वांछित सफलता की प्राप्ति होगी। लेकिन राहु के प्रभाव से आप में अवसरानुकूल शीघ्र सटीक निर्णय लेने की क्षमता अल्प होगी जिससे यदा-कदा अनावश्यक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वैदिक साहित्य धर्म एवं दर्शन में आपकी रुचि अल्प मात्रा में ही होगी परन्तु आधुनिक विषयों, विज्ञान एवं पाश्चात्य भाषा में आपकी पूर्ण रुचि होगी तथा यत्नपूर्वक उनके ज्ञानार्जन में रुचिशील होंगे तथा एक विद्वान के रूप में अपनी स्थिति स्थापित करने में समर्थ होंगे।

राहु की पंचम भावास्थ स्थिति के प्रभाव से प्रेम-प्रसंगों में आपकी रुचि होगी तथा मनोरंजन एवं दिल बहलाव के लिए आप ऐसे सम्बन्धों को स्थापित करेंगे। लेकिन आपको इन प्रेम-प्रसंगों में मर्यादा एवं नैतिकता का विशेष ध्यान रखना चाहिए अन्यथा इससे आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वैसे आप प्रेम सम्बन्धों में आदर्शवादिता का भी प्रदर्शन कर सकते हैं।

संतति भाव में राहु के प्रभाव से आपको पुत्र संतति की प्राप्ति अवश्य होगी। आपकी संतति तेजस्वी, पराक्रमी एवं बुद्धिमान होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से जीवन में उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेगी। माता-पिता के प्रति उनके मन में सामान्य आदर का भाव होगा परन्तु वे अपने ही मन की करने वाले होंगे। अतः यदा-कदा माता-पिता की आज्ञा की अवहेलना भी कर सकते हैं। वे अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को भी स्वेच्छा से ही करेंगे तथा इसमें माता-पिता की सलाह कम ही लेंगे। लेकिन आपको इसकी चिन्ता कम ही करनी चाहिए तथा उन्हें स्वतन्त्र रूप से कार्य करने देना चाहिए इससे परस्पर सदभाव एवं विश्वास बना रहेगा। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में बच्चे आपकी उपेक्षा कर सकते हैं ऐसी स्थिति में अपने लिए वांछित धन अर्जित करके रखना चाहिए जिससे अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

अध्ययन के क्षेत्र में आपकी सन्तति सामान्य रूप से उन्नति शील होगी तथा परिश्रम पूर्वक वे सफलताएं अर्जित करने में समर्थ होंगे। आप भी उनकी शिक्षा का उत्तम प्रबन्ध करेंगे तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने देंगे। आपके बच्चे तेजस्वी एवं पराक्रमी होंगे तथा यदा-कदा अन्य जनों से वे वाद-विवाद भी कर सकते हैं। इससे आपके लिए यद्यपि अनावश्यक परेशानी होगी परन्तु अपने सद्व्यवहार से आप स्थिति संभालने में समर्थ होंगे। इस प्रकार संतति से सुख आपके लिए सामान्य ही होगा।

Demo



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में तुला राशि उदित हो रही थी। जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आप तीव्र बुद्धि की स्वामिनी होंगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को बुद्धिमत्ता से सम्पन्न करेंगी। इससे अन्य लोग आपसे प्रभावित होंगे साथ ही कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान आप अपनी बुद्धि से करने में समर्थ होंगी। वैदिक साहित्य दर्शन एवं धर्मशास्त्र में भी आपकी रुचि होगी तथा इन ग्रंथों का अध्ययन करके वांछित मात्रा में ज्ञान अर्जित करेंगी। बुध के प्रभाव से साहित्य या कविता लेखन, गणित एवं ज्योतिष शास्त्र का ज्ञान भी आपको होगा तथा इस क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि भी अर्जित कर सकती हैं जिससे समाज में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा एक विदुषी के रूप में आपकी प्रतिष्ठा होगी।

शुक्र की राशि की पंचमभाव में प्रभाव से प्रेम प्रसंगों में भी आपकी रुचि होगी परंतु आपका प्रेम आदर्शवाद एवं मर्यादा की सीमा में होगा तथा इसको आप केवल मनोरंजन या समय व्यतीत करने का समाधान नहीं मानेंगे। अतः आपका प्रेम प्रसंग विवाह के रूप में भी परिवर्तित हो सकता है जिससे आपका जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

जीवन में आपको यथोचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा संतति में कन्याओं की संख्या पुत्र से अधिक होगी लेकिन सभी बच्चे बुद्धिमान एवं गुणवान होंगे तथा अपनी योग्यता एवं परिश्रम से जीवन में उन्नति एवं सफलता के मार्ग पर अग्रसर होंगे। माता पिता के वे आज्ञाकारी होंगे तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को माता पिता की सलाह से ही सम्पन्न करेंगे जिससे परस्पर सद्भाव बना रहेगा। पिता की अपेक्षा माता के प्रति उनमें विशेष लगाव होगा तथा अपनी व्यक्तिगत समस्या का समाधान माता से ही करवाना अधिक पसंद करेंगे लेकिन मान सम्मान एवं श्रद्धा का भाव माता पिता के प्रति समान रूप में रहेगा।

शिक्षा के क्षेत्र में आपके बच्चे आशातीत उन्नति करेंगे तथा अच्छे अंको से अपनी परिक्षाओं को उत्तीर्ण करके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेंगे। वे उच्च पदों पर भी नियुक्त हो सकते हैं। इसके वे स्वभाव से विनम्र एवं व्यवहार कुशल होंगी तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रसन्न तथा प्रभावित होंगे जिससे आपके सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अपने बच्चों पर आपको गौरव होगा तथा वे भी वृद्धावस्था में आपकी श्रद्धा पूर्वक सेवा करेंगे तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। अतः आप एक सौभाग्यशाली महिला होंगी।



परिवार, विवाह एवं साझेदार

Sample

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है सामान्यतया मेष राशि की सप्तम स्थिति से जातक का सहयोगी तेजस्वी उत्साही पराक्रमी एवं धनाढ्य होता है। शुक्र के प्रभाव से वह आधुनिक विचार धाराओं से युक्त सुन्दर एवं कला प्रेमी होता है एवं स्वभाव में भी विनम्रता एवं सुशीलता रहती है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी विनम्र स्वभाव की महिला होंगी आधुनिकता के भावों की उनमें प्रबलता होगी तथा भौतिक सुख संसाधनों एवं उपकरणों की प्रति विशेष रुचि होगी। अपने संभाषण में वह मधुर शब्दों का उपयोग करेंगी। शुक्र के प्रभाव से उनके कर्तव्य परायणता भी होगी एवं परिवार तथा समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगी।

आपकी पत्नी सुंदर एवं आकर्षक वर्ण की दर्शनीय महिला होंगी तथा उनका कद भी मध्यम रहेगा उनका शारीरिक सौन्दर्य दर्शनीय रहेगा तथा शरीर के अंग प्रत्यंगों की पुष्टता के कारण सौन्दर्य में आकर्षण की वृद्धि होगी तथा उनके व्यक्तित्व में भी निखार आएगा साथ ही सौन्दर्य में वृद्धि के लिए वह आधुनिक सौन्दर्य प्रसाधनों का मुक्त रूप से उपयोग करेंगी एवं सुंदर तथा आकर्षक परिधानों से सुसज्जित होंगी संगीत एवं कला के प्रति उनके मन में प्रबल आकर्षण रहेगा।

आपका विवाह किसी समीपी महिला संबंधी के सहयोग से सम्पन्न होगा। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा आपस में प्रबल आकर्षण तथा प्रेम की भावना रहेगी। सांसारिक महत्व के कार्यों को परस्पर सहयोग एवं सहमति से सम्पन्न करेंगे इससे समानता तथा विश्वसनीयता के भाव में वृद्धि होगी। आप दोनों शिक्षित व्यक्ति होंगे तथा जीवन में सिद्धांतों में भी समानता रहेगी फलतः आपसी संबंधों में मधुरता के कारण जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपका ससुराल किसी समृद्ध परिवार में होगा तथा सामाजिक रूप से भी उनकी प्रतिष्ठा बनी रहेगी। सास ससुर से आपके अच्छे संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण स्नेह की प्राप्ति होगी। आप भी उन्हें यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त उनसे नैतिक तथा आर्थिक सहयोग भी मिलता रहेगा।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी का पूर्ण श्रद्धा एवं सेवा का भाव रहेगा एवं सुख दुख में उनका पूर्ण ध्यान रखेंगी। देवर एवं ननदों को भी अपने सद्व्यवहार एवं मधुर वाणी से प्रसन्न रखेंगी तथा उनसे वांछित सम्मान मिलेगा जिससे परिवार में शांति बनी रहेगी।

व्यापार या महत्वपूर्ण कार्य में साझेदारी के लिए स्थिति शुभ रहेगी। यदि स्त्री या स्त्रीवर्ग से साझेदारी की जाये तो आपको विशिष्ट उपलब्धियां मिलेंगी तथा आपस में

विश्वसनीयता का भाव भी बना रहेगा।

Demo

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है सामान्यतया धनु राशि की सप्तम भाव में स्थिति के कारण जातक का सहयोगी पुष्ट शरीर वाला बुद्धिमान एवं कार्य कुशल होता है। तथा उसमें विद्वता कलाप्रियता एवं सहिष्णुता का भाव भी रहता है।

अतः इसके प्रभाव से आपके पति बुद्धिमान विद्वान एवं सुशील स्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा कला के प्रति उनके मन में प्रबल आकर्षण रहेगा। साथ ही सांसारिक कार्यों में वह निपुण होंगे तथा कुशलता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी उनके मन में श्रद्धा होगी तथा सहिष्णुता के भाव से भी युक्त होंगे। इसके अतिरिक्त वह एक कर्तव्य परायण व्यक्ति होंगे एवं समाज तथा परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगे।

आपके पति गौरवर्ण के आकर्षक व्यक्ति होंगे तथा उनका कद भी सामान्य होगा। शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं बलवान होंगे। साथ ही उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा एवं कला के प्रति समर्पण की भावना रहेगी। उनके शरीर में अग्नि तत्व राशि के प्रभाव से पतलापन रहेगा जिससे व्यक्तित्व आकर्षक बना रहेगा।

आपका विवाह विज्ञापन के द्वारा सम्पन्न होगा या आप स्वेच्छा से प्रेम विवाह सम्पन्न करेंगी। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम एवं समर्पण का भाव होगा। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यों को एक दूसरे की सलाह एवं सहमति से पूरा करेंगे। आप दोनों सहनशील स्वभाव के होंगे अतः एक ही प्रवृत्ति होने के कारण आपसी संबंधों में मधुरता होगी तथा दाम्पत्य जीवन का पूर्ण आनंद उठाएंगे।

आपका ससुराल किसी धनाढ्य एवं सम्मानित परिवार से होगा फलतः विवाह के समय आपको मायके से प्रचुर मात्रा में धन सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। सास ससुर से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनको वांछित सम्मान प्रदान करेंगी। वे भी आपको पुत्रीवत स्नेह देंगे तथा महत्वपूर्ण मामलों में सलाह या सहमति का भी आदान प्रदान होगा।

सास ससुर के प्रति आपके पति की सेवा एवं सम्मान की भावना होगी तथा श्रद्धा पूर्वक उनकी सेवा में तत्पर रहेंगे एवं अपनी और से उन्हें किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगे साथ ही साले एवं सालियों को भी अपने सद्व्यवहार एवं मृदुवाणी से प्रसन्न रखेंगे तथा वे भी उनको वांछित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

व्यापार या किसी महत्वपूर्ण कार्यों में साझेदारी के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी तथा इससे आपको वांछित लाभ एवं उन्नति की प्राप्ति होगी।



व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

Sample

आपके जन्म समय में दशम भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्र है। कर्क राशि जलतत्व प्रधान है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान होगा तथा समय समय पर आप इसमें परिवर्तन करने के इच्छुक होंगे एवं ऐसे तात्कालिक परिवर्तनों से आप को लाभ एवं उन्नति की प्राप्ति होगी। साथ ही आप मानसिक रूप से भी सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

आजीविका की दृष्टि से आपके लिए जलविभाग, वस्त्र उत्पादन फैक्टरी, स्टेनो ग्राफर, कैमिकल्स, कार्यालय सहायक, सचिव, जलसेना, जहाजरानी विभाग अनुकूल रहेंगे। इन विभागों में कार्य करने से आपको वांछित उन्नति एवं सफलता मिलेगी तथा मानसिक रूप से भी आप सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए जलोत्पन्न पदार्थों यथा शंख, मोती, प्रवाल, मछली का व्यापार, मिट्टी के खिलौने, ईट, वालू आदि के कार्य, वास्तुकला, आलंकारिक वस्तुओं का व्यापार, द्रव्य पदार्थों यथा दूध, दही, घी आदि के कार्य से लाभ होगा। साथ ही रेशमी एवं मूल्यवान वस्त्रों के व्यापार या आयात निर्यात से भी इच्छित उन्नति एवं लाभ की प्राप्ति होगी। अतः यदि आप व्यापार के इच्छुक हो तो उपरोक्त क्षेत्रों में ही व्यापार आरंभ करें। इससे आपकी उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे तथा लाभ स्रोतों में भी वृद्धि होगी।

जीवन में आपको वांछित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी तथा किसी सम्मानित एवं उच्चाधिकार प्राप्त पद को अर्जित करने में समर्थ होंगे। समाज में आप एक प्रभावशाली व्यक्ति होंगे तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि भी व्याप्त होगी। इसके अतिरिक्त आप किसी सामाजिक धार्मिक सांस्कृतिक या शैक्षणिक संस्था के पदाधिकारी भी हो सकते हैं जिससे आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आपके पिता बुद्धिमान, शिक्षित तथा मृदुस्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा उनकी प्रवृत्ति भी शान्ति प्रिय होगी। साथ ही उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा एवं सभी लोग उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न होंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह तथा वात्सल्य का भाव होगा तथा आपकी उच्च शिक्षा का वे समुचित व्यवस्था करेंगे। आपकी कार्यक्षेत्र की उन्नति एवं सफलता में उनका विशेष योगदान होगा तथा उनके प्रभाव से आपको इसमें यथोचित सम्मान एवं आदर की प्राप्ति होगी। साथ ही आप भी अपने उत्तम कार्य कलापों से पिता के सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि करेंगे। इसके अतिरिक्त आपके आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं वैचारिक तथा सैद्धान्तिक रूप से समानता होगी। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यों को एक दूसरे की सलाह एवं सहयोग से सम्पन्न करेंगे।

Demo



Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

आपके जन्मसमय में दशम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। साथ ही चन्द्रमा भी दशम भाव में ही स्थित है। मीन राशि एवं चन्द्रमा दोनों जलतत्व युक्त हैं। अतः इसके प्रभाव से आपका कार्य क्षेत्र परिवर्तनशील होगा तथा समय समय पर आप इसमें वांछित एवं लाभदायक परिवर्तन करती रहेंगी तथा ऐसे परिवर्तनों से आपको प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आपका कार्य वैदिक एवं मानसिक क्रिया के साथ साथ श्रमसाध्य भी होगा।

आजीविका की दृष्टि से आपके लिए जलविभाग, वस्त्र उत्पादन फैक्टरी, स्टेनोग्राफर, कैमिकल्स, कार्यालय सहायक, सचिव, जलसेना, जहाजरानी विभाग अनुकूल रहेंगे। इन विभागों में कार्य करने से आपको वांछित उन्नति एवं सफलता मिलेगी तथा मानसिक रूप से भी आप सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगी।

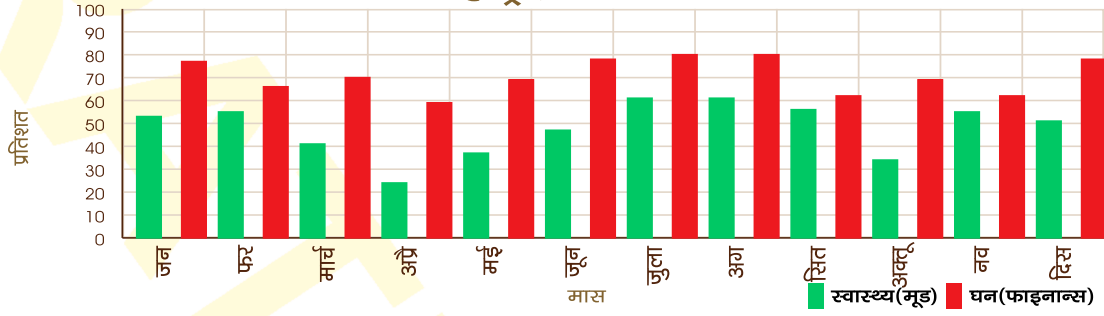
व्यापारिक क्षेत्र में आपको जलोत्पन्न पदार्थों यथा मोती, शंख, प्रवाल, मछली आदि का व्यापार मिट्टी के खिलौने वालू ईट आदि के कार्य से वांछित लाभ एवं उन्नति प्राप्त कर सकती है। साथ ही द्रव्य पदार्थ दूध, घी, दही, सफेद एवं मूल्यवान वस्त्र, समुद्री आयात निर्यात के कार्य से भी आपको प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति हो सकती है। अतः यदि आप व्यापार प्रारंभ करना चाहे तो उपरोक्त क्षेत्रों में ही करना चाहिए। इससे आपकी सतत उन्नति होती रहेगी तथा जीवन में अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

द्वितीयेश चन्द्रमा की दशम भाव में स्थिति के प्रभाव से जीवन में आपको वांछित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी तथा किसी उच्च पद को सुशोभित करेंगी। साथ ही किसी संस्था या क्लब आदि में भी आपको सम्मानीय पदाधिकारी बनाया जा सकता है। स्वराशि से नवमस्थ स्थिति के प्रभाव से युवावस्था में ही यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ होंगी तथा समाज में आप एक प्रतिष्ठित महिला के रूप में अपना समय व्यतीत करेंगी। इसके अतिरिक्त सौभाग्य से भी आपको अवसरानुकूल मान सम्मान एवं आदर मिलता रहेगा।

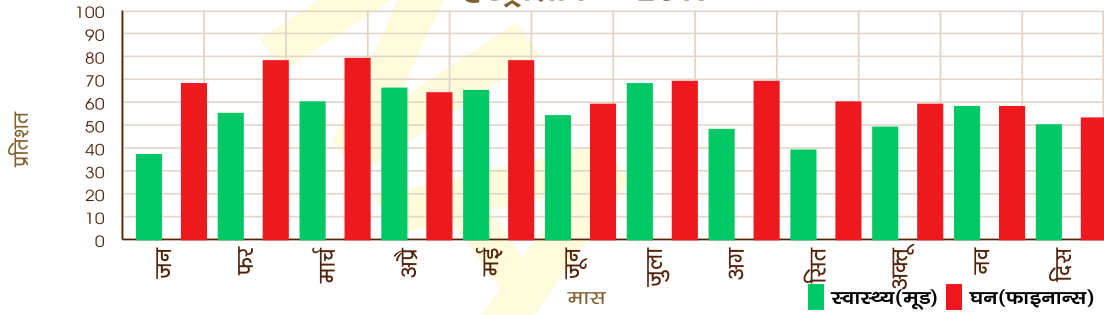
आपके पिता एक सौम्य मृदु स्वभाव के बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा उनकी विद्वता तथा सज्जनता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे। अतः समाज में वे एक प्रभावशाली व्यक्ति मानी जाएंगी। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह तथा अपनत्व का भाव रहेगा तथा शिक्षा दीक्षा का उचित प्रबन्ध करेंगी। आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा प्रभाव स्थापित करने में उनका मुख्य योगदान रहेगा तथा उनके प्रभाव से भी आपको इस क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त आप दोनों के मध्य संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैचारिक एवं सैद्धान्तिक विचारों में अनुकूलता रहेगी जिससे आपका जीवन सामान्यतया सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।



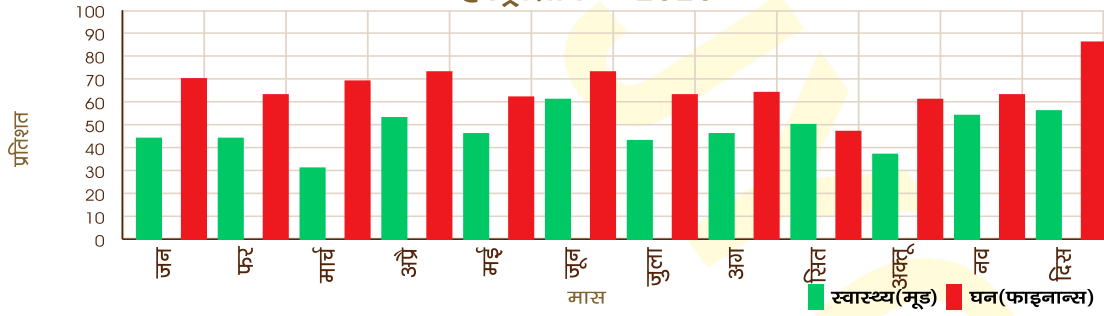
Sample
एस्ट्रोग्राफ - 2019



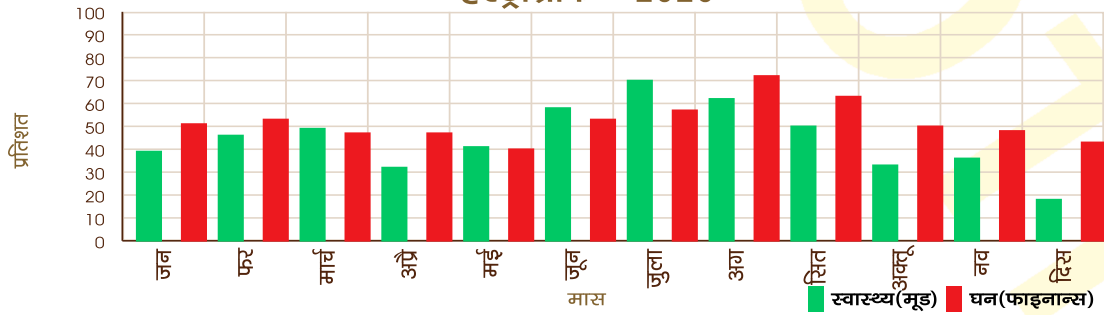
Demo
एस्ट्रोग्राफ - 2019



Sample
एस्ट्रोग्राफ - 2020



Demo
एस्ट्रोग्राफ - 2020



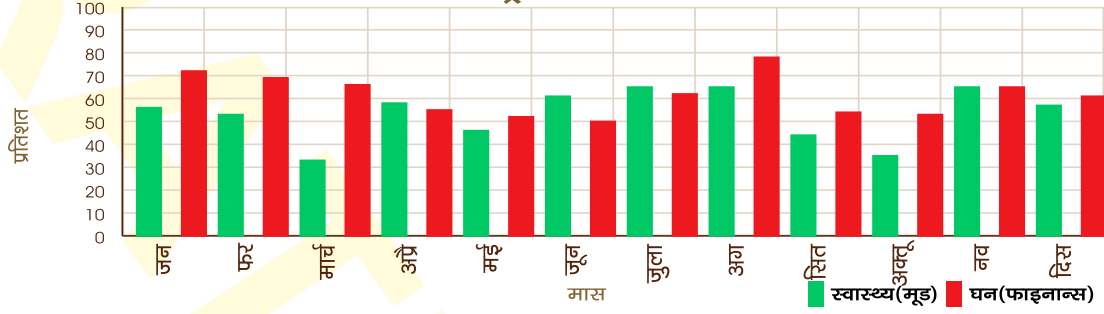
RATNA JYOTI[®]

Bahula (Near Netaji Statue), Durgapur, West Burdwan, W.B., India, Zip-713322

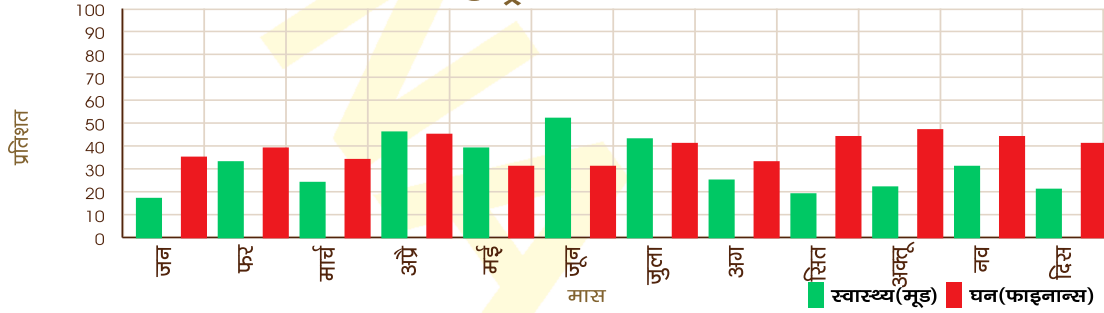
Phone: +91-341-2668022, Mobile: +91-9732150484, Whatsapp: +91-9732150484

E-Mail: astrology@ratnajyoti.com, Website: <https://www.ratnajyoti.com/>

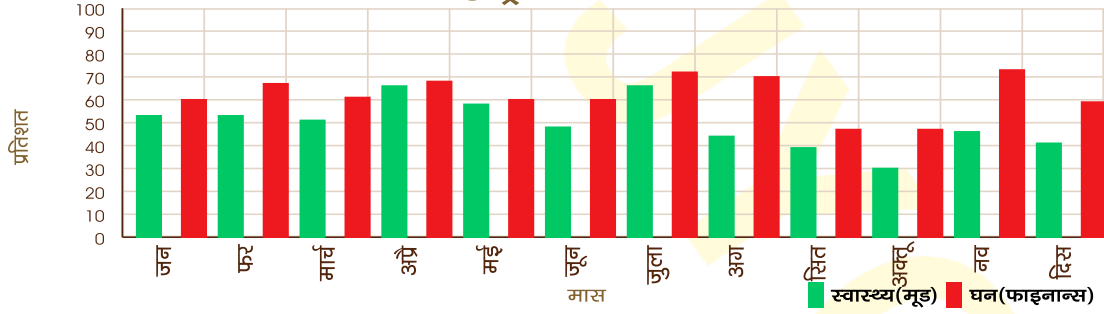
Sample
एस्ट्रोग्राफ - 2021



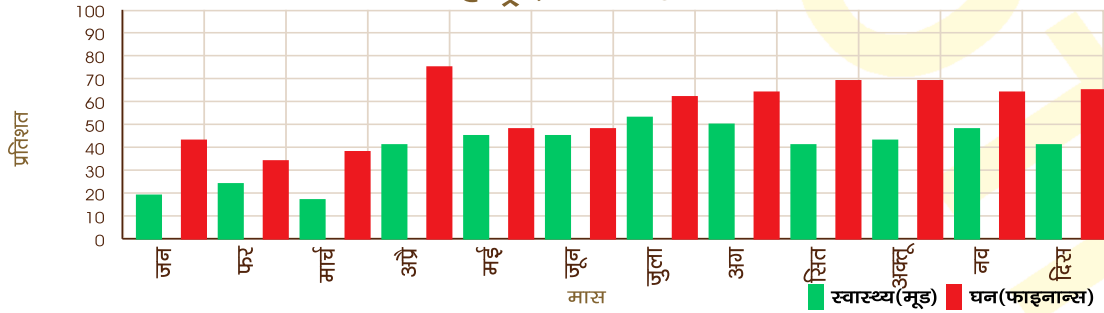
Demo
एस्ट्रोग्राफ - 2021



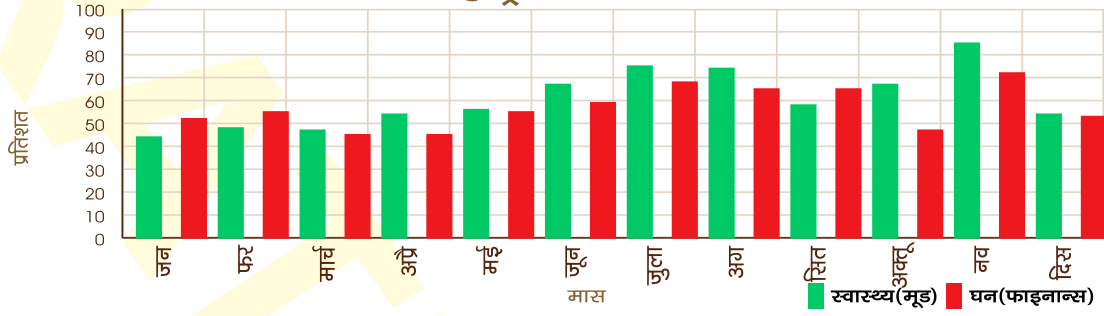
Sample
एस्ट्रोग्राफ - 2022



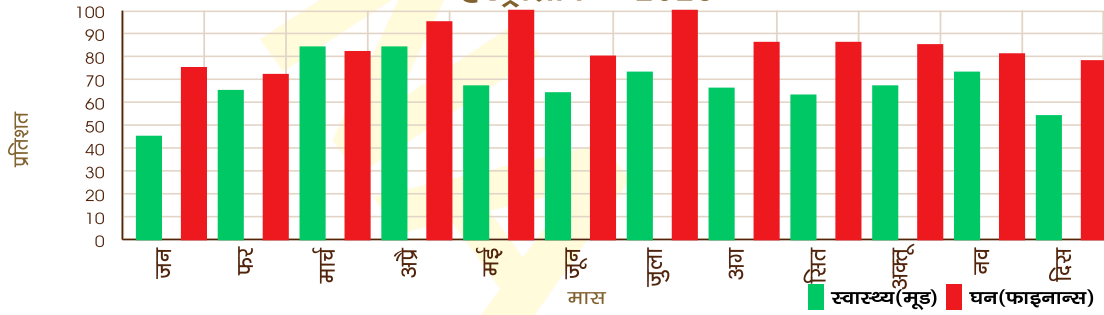
Demo
एस्ट्रोग्राफ - 2022



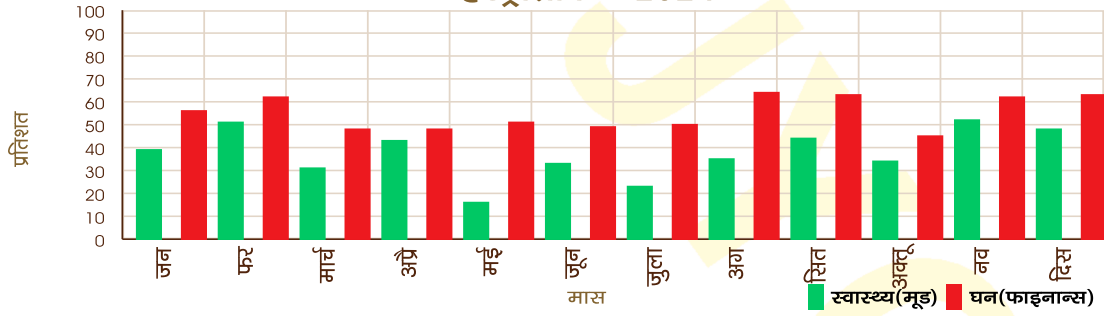
Sample
एस्ट्रोग्राफ - 2023



Demo
एस्ट्रोग्राफ - 2023



Sample
एस्ट्रोग्राफ - 2024



Demo
एस्ट्रोग्राफ - 2024

